Bihar Board Class 7 Social Science Geography Solutions Chapter 2 चट्टान एवं खनिज

अभ्यास के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
अपने घर में खनिज से बनी हुई चीजों की सूची बनाइए ।
उत्तर-

1. तराजू के पलड़े
2. आभूषण
3. सायकिल
4. हल का फाल
5. खुरपी
6. हसिया
7. पहँसुल
8. लालटेन

उसे जलाने के लिए किरासन तेल आदि खनिज से बनी हुई हैं।

प्रश्न 2.
छत की ढलाई में कौन-सा पत्थर इस्तेमाल होता है?
उत्तर-
छत की ढलाई में पहाड़ों से काटकर निकाले गए पत्थरों को टुकड़े बना कर इस्तेमाल होता है । इन पत्थरों का रंग भूरा-स्लेटी होती है । ये आग्नेय चट्टान के उदाहरण कहे जा सकते हैं।

प्रश्न 3.
उन खेलों की सूची बनाइए, जिनमें पत्थरों का इस्तेमाल होता हो।
उत्तर-
पत्थरों से खेलने वाले कोई अधिक खेल नहीं, है । हाँ, ग्रामीण क्षेत्र के बीच पत्थर के टुकड़ों से एकट-दोकट तथा सरगोटिया खेलते हैं ।

प्रश्न 4.
पत्थरों का उपयोग कहाँ-कहाँ होता है ? सूची बनाइए ।
उत्तर-
पत्थरों का उपयोग पहले घर, महल, कोठी और किला बनाने में होता था । वाराणसी के प्राय: सभी प्राचीन भवन पत्थर के ही बने हैं। आज भी झारखंड में पत्थरों का उपयोग घर तथा चहार-दीवारी बनाने में होता है 'वैसे आम तौर पर सड़क बनाने, मकानों की छत बनाने तथा फर्श को पक्का करने के लिए विभिन्न आकारों के पत्थरों का उपयोग होता है ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
पता करके लिखिए कि निम्न भवन किन-किन पत्थरों से बने हैं:
उत्तर :

प्रश्न : भवन	उत्तर : पत्थर के प्रकार
रोहतास गढ़ का किला	बलुआ पत्थर
लाल किला (दिल्ली)	लाल बलुआ पत्थर
पत्थर की मस्जिद (पटना)	बलुआ पत्थर
विष्णुपद मन्दिर (गया)	काला बलुआ पत्थर
आगरा का किला	लाल बलुआ पत्थर
कुतुबमीनार (दिल्ली)	बलुआ पत्थर
विशला बुद्ध मूर्ति (गया)	काला बलुआ पत्थर

प्रश्न 6.
थर्मोकोल/काँच के टुकड़ों को जोड़कर पृथ्वी के आंतरिक परतों को दिखालाइये ।
उत्तर-
संकेत: यह परियोजना कार्य है । छात्र स्वयं यकरें ।

प्रश्न 7.
चट्टानों के प्रकार और उनकी बनावट के बारे में लिखिए।
उत्तर-
चट्टानें मुख्यत: तीन प्रकार की होती हैं-

1. आग्नेय चट्टान
2. अवसादी चट्टान तथा
3. रूपांतरित चट्टान ।

1. आग्नेय चट्टान-पृथ्वी के अन्दर पिघला पदार्थ धरातल पर आने के क्रम में कभी पहले ही जम जाता है और कभी धरातल के ऊपर पहुँचकर जमता है। ऐसी चट्टानों में परतें नहीं होतीं। इनमें रवा पाये जाते हैं । जो चट्टानें पृथ्वी के अन्दर जमती हैं इनके रवे बड़े होते हैं जबकि पृथ्वी के ऊपर जमने वाली चट्टानों के रवे छोटे या महीन होते हैं । ग्रेनाइट और बेसाल्ट आदि आग्नेय चट्टान के ही उदाहरण हैं।

2. अवसादी चट्टानें-अवसादी चट्टानें अवसादों के एकत्र होने से बनती हैं । ये दो प्रकार की होती हैं : एक पानी के अन्दर तथा दूसरी पानी के बाहर जमीन पर । पानी के अन्दर जमने वाली चट्टानों की परतें अधिक होती हैं क्योंकि ये परत-दर-परत जमी होती हैं । काफी दबाव के कारण ये कड़ी हो जाती हैं और चूना-पत्थर का रूप धारण करती हैं । पानी से बाहर की अवसादी चट्टानें परत-दर-परत ही होती हैं और अपने ही दबाव से दबकर अवसादी चट्टान बन जाती हैं। उदाहरण है बलुआ पत्थर | बलुआ पत्थर कई रंग के होते हैं-लाल, भूरा, काला ।

https://www.evidyarthi.in/

3. रूपांतरित चट्टानें-कभी-कभी आग्नेय या परतदार चट्टानों में ताप और दाब की वृद्धि होती है तो इनके रूप और गुण दोनों में बदलाव आ जाता है। रूप में अंतर के कारण ही इन्हें रूपांतरित चट्टान कहते हैं। चूना-पत्थर अपना रूप बदलकर संगमरमर में बदल जाता है। इसी प्रकार ग्रेनाइट रूपांतरित होकर नाइस बन जाता है।

प्रश्न 8.
इन्हें उपयुक्त स्थानों में बैठाइए

1. सेंधा नमक – आग्नेय चट्टान
2. ग्रेनाइट – अवसादी चट्टान
3. संगमरमर – रूपान्तरित चट्टान

उत्तर-

1. सेंधा नमक – अवसादी चट्टान
2. ग्रेनाइट – आग्नेय चट्टान
3. संगमरमर – रूपान्तरित चट्टान

प्रश्न 9.
खाली जगहों को भरिए :

1. जो चट्टान ज्वालामुखी से निकले लावा के ठंडा होने से बनती हैं वे .....चट्टानें कहलाती हैं।
2. जिन चट्टानों में परत पायी जाती है उन्हें ..... चट्टानें कहते
3. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ .....कहलाता है।
4. अत्यधिक ..... एवं ..... के कारण चट्टानों के लक्षण बदल जाते हैं.।

उत्तर-

1. आग्नेय
2. परतदार
3. लावा
4. ताप, दाब।

https://www.evidyarthi.in/